

BAFYUP दर्शनशास्त्र

BPYC-102

नैतिकता

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
 2. सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं
 3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।
 4. यदि किसी प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों का प्रयास करें। प्रत्येक भाग के अलग-अलग अंक हैं।
1. नैतिक अनुभव के बारे में लिखें और टेलीओलॉजिकल सिद्धांतों के आधार पर चर्चा करें।

या

- नैतिक विषयवाद क्या है? डेविड ह्यूम के नैतिक विषयवाद की व्याख्या करें।
2. इमैनुअल कांट के अनुसार नैतिक क्रिया क्या है? नैतिक क्रिया पर दार्शनिक विचार क्या हैं?

या

10+10= 20 पर एक नोट लिखें

क) प्राकृतिक नैतिक कानून और मानवीय गरिमा

ख) अरस्तू और सदाचार नैतिकता

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दें। 2*10= 20

क) इमैनुअल कांट की श्रेणीबद्ध और काल्पनिक अनिवार्यताओं के बीच अंतर करें।

प्रत्येक का उदाहरण दें। 10

ख) सुकरात का यह विचार कि सदाचार ज्ञान है, सदाचार की प्रकृति को कैसे समझाता है?

ग) जैव-नैतिकता पर एक नोट लिखें। 10

घ) नैतिक दर्शन में आरएम हरे के प्रिस्क्रिप्टिविज्म का महत्व 10

2

4. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें। $4 \times 5 = 20$

क) मानक नैतिकता पर एक नोट लिखें। 5

ख) नैतिक प्रकृतिवाद पर एक नोट लिखें 5

ग) नैतिक सामग्री को समझने के विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? 5

द) प्लेटो के चार प्रमुख गुणों पर एक टिप्पणी लिखें। 5

e) नैतिक सापेक्षवाद के दार्शनिक विचारों पर एक टिप्पणी लिखें। 5

f) उपयोगितावाद के आलोचनात्मक मूल्यांकन पर एक टिप्पणी लिखें।

g) जैन धर्म की नैतिक शिक्षाओं पर एक टिप्पणी लिखें।

5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। $5 \times 4 = 20$

a) परिणामवाद 4

b) नैतिक गैर-संज्ञानात्मकता 4

c) वर्णनात्मक सापेक्षवाद 4

d) त्रुटि सिद्धांत 4

e) मानव-केंद्रित नैतिकता 4

f) सुखवाद 4

g) सहायक प्रजनन तकनीक (ART) 4

h) भावुकतावाद 4